मैथिली में पहिल इ-पेपर

- पटना, 14 सितंबर, 2008
- साप्ताहिक
- अंक- 11
- साल-1
- इनटरनेट संस्करण

मैथिली में शुरू भेल दैनिक पत्रक प्रकाशन

मैथिली भाषाक एकमात्र दैनिक

मिथिला समाद

मैथिलीक जयघोष

कोलकाता स मिथिला समाद नाम स एकटा मैथिली दैनिकक प्रकाशन शुरू भेल अछि। मैथिली दैनिकक इतिहास मे इ तेसर दैनिक थीक। एहि स पहिने मिथिला मिहिर आ स्वदेश नाम स दू टा दैनिक निकलल अछि। कोलकाता स प्रकाशित इ पहिल मैथिली दैनिक छी। सामान्य अखबारक रूप-रंग में मिथिला समाद कुल दस पन्नाक अखबार अछि। रंगीन पन्ना आ दू टका दाम स एकर मांग दिनोदिन बढ़ि रहल अछि। संपादक ताराकांत झाक अनुसार पंजीयन नहि भेलाक कारण एकर प्रसार कोलकाता स बाहर एखन मुश्किल अछि, मुदा प्रयास भ रहल अछि जे आनो शहर मे इ अखबार लोकवेद लेल उपलब्ध भ सके। अखबारक शुरुआत भेला पर किछु लोकक इ भ्रम उचित छल जे 'मिथिला समाद' मैथिली दैनिक क संबंध 'समाद' स अछि। मुदा इ स्पष्ट करब जरूरी अछि जे 'समाद' मैथिलीक पहिल इ पेपर छी आओर 'मिथिला समाद' स एकर कोनो संबंध नहि अछि। 'समाद' परिवारक शुभकामना अवश्य 'मिथिला समाद' लेल अछि। 'समाद' परिवार आशा करैत अछि जे कोलकाता स प्रकाशित 'मिथिला समाद' क प्रसार बढ़त आओर एकर बिहार आ दिल्ली स सेहो संस्करण खुलत। ओना 'समाद' परिवार 'मिथिला समाद' क सहायता लेल हरदम तत्पर अछि।

समदिया

'बिहार क स्थिति बहुत खराब अछि। हमरा स जे किछु भ सकत करब'

मिथिलाक संस्कृति स जुड़ल छल बाढ़िक निराकरण

फ्लड वॉटर हारवेस्टिंग सिस्टम पर हुए विचार

इ समाज नदिक कछैर मे खेलाइत रहल अछि। कहियो नदी क व्यवहार एकरा माइ स अलग नहि लागल। एकरा लेल बाढ़ि भयावह नहि छल। अभिशाप वरदान बनैत रहल। नदीक धार बदलैत रहल, मुदा घर- परिवारक रक्षा होइत रहल। आखिर नदी मे हेलबा लेल प्रसिद्ध समाज आइ नदि मे डूबल कोना? आखिर समाज आ नदीक संबंध बदलि केना गेल। माइ आ संतानक बीच एहन शत्रुता केना भेल? एकर जिम्मेदार के, हम सब, नदी, बिहार सरकार या फेर नेपाल? मुदा इतिहास आ भूगोल बता रहल अछि जे एकरा लेल कियो नहि हम सब जिम्मेदार छी। बाढ़ स निबटबा लेल पुरान तरीका छोड़ि, हम सब प्रलय अनबा लेल जिम्मेदार छी। कि छल पुरान तरीका, तेकर फेर स अध्ययन करबाक चाहि। हमरा लोकनि मात्र नेपाल स नहि बल्कि बंगाल आ बांग्लादेश तक स गप करि आ हुनका स परंपरागत प्रणालीक जानकारीक आदान-प्रदान करि। ओकरा बुझब आइ जरूरी भ गेल अछि। ओ बुझलाक बाद ओकरा नव व्यवस्था मे कोना ज्यों का त्यो या किछु सुधार करि अपना सकैत छी, तकर व्यवस्था करबाक चाही। बिना पग-पग पोखरि भेनहि, केना मिथिलाक पहचान बचा सकब। किछु त कारण छैक एहि फकराक पाछु, ओहिना त नहि बना देल गेल अछि।

समदिया

मिथिला मे आयल प्रलयंकारी बाढ़ पर सब ठाम चर्चा भेल। बाढ़ स निबटबा मे सरकारी अव्यवस्था सबस पैघ कारण बताउल गेल। ओना एकर किछु आओर कारण सेहो गिनाउल गेल। जाहि मे इलाकाक गरीबी आदि प्रमुख छल। मुदा दिल्ली आओर पटना मे बैसल पत्रकार आ संभ्रात बुद्धिजीवी इ बिसरी गेलाह जे आइ स पांच दशक पूर्व धरि उत्तर बिहारक इ इलाका एकटा बहुत संपन्न टुकड़ा छल। एहि इलाका मे धानक एहन बीज छल जे बाढ़िक पाइनक संग-संग हेलैत उगैत छल। आओर फेर बाढ़ि के विदा करि खलिहान मे अबैत छल।

इ समाज कहियो नदि के अभिशापक रूप मे नहि देखलक। इ समाज हरदम बाढ़ि के वरदानक रूप में देखलक। ओ इ मानलक जे इ नदी सब हिमालयक माईट के एहि क्षेत्रक दल-दल मे पटकि के बहुत पैघ मात्रा में खेती योग्य जमीन तैयार करैत अछि।

इ सबटा कारण हमरा बता रहल अछि जे लोक एहि पाइन स एहि बाढ़ स निबटब जनैत छल। एतुका समाज बाढ़ि मे हेलनाइ जनैत छल। मुदा आइ पूरा समाज डूबल अछि। आखिर एकर पाछु कि कारण अछि। इतिहास आ भूगोल देखला पर साफ होइत अछि जे एकर कारण नदी नहि हम छी। मिथिला मे हद आओर चौर दू टा शब्द पैघ पोखरि लेल प्रयोग होइत अछि। 19वीं शताब्दी तक मिथिला मे पैघ-पैघ पोखरि आ पैघ-पैघ चौर देखबा मे अबैत छल। 'पग-पग पोखरि माछ मखान, इ थिक मिथिला देशक पहचान' कहबा मे हम एखनो माहिर छी, मुदा एहि प्रश्नक उत्तर हमला लग नहि अछि जे 1984 धरि दरभंगा नगर निगम क्षेत्र मे कुल 513 टा पोखरि छल, जाहि मे स लगभग 300 पोखरि आइ समाप्त भ चुकल अछि। बाढ़िक बहुत पैघ मात्रा मे पाइन चौर मे समटा जाइत छल। मुदा स्थानीय कुलीन वर्ग आ क्षेत्रक नियोजक मन मे आइल जे एतेक जल राशि स भरल पोखरि आ चौर बेकार मे जगह के बर्बाद करैत अछि। पोखरि भरि कॉलोनी बसी गेल आओर चौर मे बांध बना खेती शुरू करा देल गेल।

मंथन

आइ अंग्रेजी मे रैन वाटर हारवेस्टिंग एकटा प्रचलित शब्द अछि। एहन पूरा ढांचा मिथिला मे आइ स कतेको साल पहिने राजा शिव सिंह बनेने छलाह। दरअसल शिव सिंह मिथिला मे लैंड वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम क जन्मदाता छथि। ओ बाढ़ि स बचबा लेल जे पुख्ता व्यवस्था केने छलाह, ओ आइ ध्वस्त भ चुकल अछि।

तखनो बाढ़ि अबैत छल, मुदा ओ तखन प्रलयक रूप आ प्रलय स क्षति के कम-स-कम करबाक एखन स नीक व्यवस्था छल। पोखरिक एकटा विशेषण मिथिला मे प्रचलित अछि 'नदिया ताल, मतलब इ जे एहि ठाम पोखरि बरखाक पाइन स नहि, बल्कि नदिक पाइन स भरैत अछि। एकटा आओर पैघ फरकपिछला सौ साल मे देखबा मे आइल अछि। ओ अछि तटबंध आ बांध छोट स ल के पैघ बांध तक एहि इलाका मे बनाउल गेल अछि। बिना एतुका नदी सबहक स्वभाव बुझने। नदीक धारा एहि ठाम स ओहि ठाम नहि भटकै, तकरा लेल हम सब नव योजना तैयार करि देलहु। तटबंध नामक इ योजना स नदी क भटकाव त रुकल नहि, बल्कि ओकरा लेल नव बाट खुली गेल। पिछला पांच दशक एकर गवाह अछि जे तटबंध स बाढ़ कम नहि बेसी प्रलय अनलक अछि। क्षति सेहो बेसी भ गेल। हम नदी आ बाढ़िक स्वभाव बिसरी गेलहू अछि। चारि साल पहिने सेहो बिहार में भयंकर बाढ़ आइल छल। तखनो कहल गेल छल जे बाढ़ राहत मे खेनाइ बंटबा लेल जहि हेलीकॉप्टरक प्रयोग भेल, ओहि पर कुल 24 करोड़ टका खर्च भेल। एतेक लागत स मात्र दू करोड़ टकाक रोटी-चटनी बांटल गेल। प्रश्न उठैत अछि जे बाढ़िक निराकरण के करत? बाढ़ि निमंत्रित अछि। नेपाल पर आरोप लगा हम कोना बचि सकैत छी। सवाल उठैत अछि जे नेपाल त किछु नहि केलक अछि, जे भेल अछि हमरे स भेल अछि। पोखरि हम भरलहु, चौर हम सुखेलहु आ तटबंध हम बनेलहु। बाढ़ि लेल जमीन हम तैयार केलहु आ आरोप नेपाल पर द रहल छी। सच पूछि त हम सब मिल के मिथिलाक फ्लड वाटर हारवेस्टिंग सिस्टम के समाप्त क चुकल छी। आइ जरुरत अछि कोसीक धार जेका हमहु सब अपन पुरान नीति पर लौट चलि।

राज्य सरकार अभूतपूर्व काज करि रहल अछि: प्रधानमंत्री कार्यालय

पीएमओ मे बिहार सेलक प्रमुख ठोकला नीतीशक पीठ, कहलथि बिहार लेल चाही 30 हजार करोड़

रेलमंत्री लालू प्रसाद आ इस्पात मंत्री रामविलास पासवानक आरोप छैन जे बिहार सरकार केंद्र स पठाउल गेल राहतक ठीक स वितरण नहि करि रहल अछि, मुदा पीएमओ मे गठित टास्क फोर्स क प्रमुख एहि स सहमत नहि छथि। हुनक कहब अछि जे सरकारक काज अभूतपूर्व अछि।

समदिया

नई दिल्ली : बिहार राजनीतिक प्रयोगशाला रहल अछि आओर राजनीतिक अनेक रंग होइत अछि। एहन मे एकटा नव रंग बिहारक राजनीति मे दखबा मे आबि रहल अछि। केंद्र सरकार मे शामिल बिहारक दू टा राजनीतिक दलक नेता एक दिस बिहार सरकार पर बाढ़ि स मुकाबला करबा मे असफल रहबाक आरोप लगा रहल छथि, त दोसर दिस प्रधानमंत्री कार्यालय मे गठित बिहार सेलक प्रमुख बिहार सरकार द्वारा भ रहल राहत काज के अभूतपूर्व करार द रहल छथि। पीएमओ आ बिहारक यूपीए नेता क बीच इ विरोधाभाष बयान साफ करैत अछि जे राजनीति मे विरोध एकटा अनिवार्य सत्य छी।

प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पदभार ग्रहण करबाक किछु दिन बाद बिहारक विकास लेल अपन कार्यालय मे एकटा अलग टास्क फोर्स क गठल केलथि। एकर प्रमुख बनलाह योजना आयोग सदस्य एससी झा। पूर्वी बिहारक रहनिहार झा बिहार स परिचित नहि छथि, बल्कि ओ बिहारी छथि। हुनका पता छैन जे बिहारक पिछड़ापनक मूल कारण की अछि। बिहारक दौरा स लौटला क बाद दिल्ली मे पत्रकार स गप करैत ओ सबस पहिने कोसी लेल बनाउल गेल केंद्रीय तकनीकी टीम के आड़े हाथ लेलथि। झा कहलथि जे टीमक सदस्य किछु नहि केलक, बस चर्चा करबा मे समय खराब केलक। बाढ़िक समाधानक मुद्दा पर सेहो झा राज्य स बेसी केंद्र के जिम्मेदार मानैत छथि। झा कहैत छथि जे नीतीश कुमारक काज अभूतपूर्व अछि। किछु त्रुटि छैक जेकरा समय स ठीक करि लेल जाइत। तत्काल तटबंधक मरम्मत पहिल प्राथमिकता अछि। केंद्रीय टीम आओर बिहार क सन्याल कमेटीक ऊपर झा कहैत छथि जे दूनू किछु करबा मे आइ धरि असमर्थ रहल अछि। एकटा प्रश्न उत्तर मे झा कहैत छथि जे टास्क फोर्स अपन स्तर पर बहुत किछु करय चाहैत अछि। मुदा केंद्रक स्तर पर अनेक अवरोधक अछि। ओना झा कहैत छथि जे प्रधानमंत्री बिहारक विकास लेल व्यक्तिगत रूप स चिंतित छथि आ ओ टास्क फोर्स स बिहारक संदर्भ मे जानकारी लैत रहैत छथि। कोसीक धारक संबंध मे झा कहैत छथि जे कोसी अपन धारा बदलैत रहल अछि। इ कोनो नव गप नहि अछि। दुर्भाग्य अछि जे कोसीक क्षेत्र स पैघ-पैघ नेता दिल्ली तक पहुंचलाह अछि, मुदा राज्य या केंद्रक स्तर पर एखन धरि एकर समाधान लेल कोनो गंभीर पहल नहि भेल अछि। परोक्ष रूप स झा एकरा लेल बिहारक सांसद आओर केंद्र सरकार के जिम्मेदार कहलाह। पुनर्वास आ पुनर्निर्माणक पैकेज क मुद्दा पर सेहो पीएमओ क इ अधिकारी नीतीश कुमारक संग सुर मिलेबाक इच्छा रखलथि। नीतीश जतय एहि काज लेल नौ हजार करोड़ टका मनमोहन सिंह स मंगलथि, ओहि ठाम एससी झाक कहब छैन जे बिहार लेल कम-स-कम 25 स 30 हजार करोड़ टका मंगबाक चाही। इ अलग गप अछि जे इ पैघ रकम अछि, मुदा एहि स कम मे बिहारक पुनर्निर्माण संभव नहि अछि। झाक इ बयान लालू आ पावासक आलोचना झेल रहल राज्य सरकार के किछु राहत भेटत।

बदलैत बिहार हमर नजरि स

इ 'अपन बिहार' मे होइत अछि

सहरसा मे लागत एकटा आरएसएस क शिविर मे इफ्तारक तैयारी

लापता लोक क सूची तैयार करत आइबीएम

समदिया

पटना: पिछला महीना आइल बाढ़ मे लाखों लोक बेघर भ गेल, जखन कि अनेक लापता छथि। सरकार लेल इ चुनौति अछि जे लापता लोकक सूची तैयार करि ओकरा तकबा लेल प्रयास केल जाए। सरकार क एहि काज मे मदद लेल सॉफ्टवेयर कंपनी आइबीएम सामने आइल अछि। आइबीएम आओर सरकारक बीच एकटा समझौता भेल अछि। समझौताक तहत आइबीएम बाढ़ग्रस्त इलाकाक क्षति आओर लापता लोकक सूची तैयार करत। आइबीएमक पदाधिकारीक कहबा छैन जे कंपनी लेल इ काज मुश्किल नहि अछि। एहि स पहिने सूनामी क दौरान इ साफ्टवेयर काफी सफल रहल अछि। एकर मदद स श्रीलंका, इंडोनेशिया आओर मालद्वीप मे लापता लोकक सफलतापूर्वक सूची तैयार भ चुकल अछि। कंपनीक पदाधिकारीक कहब छैन जे बिहार सरकारक प्रयास स इ काज और आसानी स पूरा होइत। बिहार सरकार व आइबीएमक बीच भेल समझौताक खास गप इ अछि जे एहि काज लेल आइबीएम बिहार सरकार स एकोटा टका नहि लेत, अर्थात आइबीएम इ काज निःशुलक करत। आपता प्रबंधन विभागक सचिव अमृत क कहब छैन जे आइबीएम लापता लोकक सूची तैयार करबाक संग-संग ढहल मकान आओर नष्ट भेल फसलक आकलन करबाक सेहो जिम्मेदारी लेलक अछि। सूची तैयार भेलाक बाद ओकर आधार पर पुनर्वासक कार्रवाई शुरू केल जाइत।

जगन्नाथ मिश्रक सन्यास

पटना: पूर्व मुख्यमंत्री आओर जदयू नेता डॉ जगन्नाथ मिश्र आब चुनाव नहि लड़ताह।

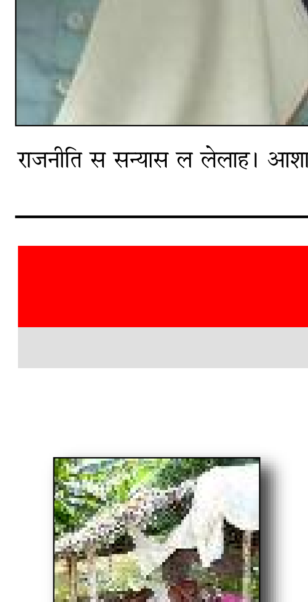

डॉ मिश्रक सन्यास स बिहार मे एकटा युगक अंत भ गेल। डॉ मिश्र बिहारक तीन बेर मुख्यमंत्री बनलाह। ओ झंझारपुर स विधायक होइत छलाह। डॉ मिश्रक कहब छैन जे एहि बेरका बाढ़ि देखलाक बाद हुनकर मन मे निस्वार्थ भाव स समाज सेवा करबाक इच्छा जागृत भेलनि अछि। बाढ़ि आ डॉ मिश्रक संबंध अजीव अछि। डॉ मिश्र जाहि क्षेत्र स चुनाव लड़ैत छलाह, ओ पिछला पांच दशक स डूबैत छल, एतबा नहि तटबंधक कारण झंझारपुर नदी तल स नीचा भ गेल अछि। मुदा एहि साल झंझारपुर मे बाढ़ि नहि आइल अछि। एहि साल डूबल डॉ मिश्रक गाम 'बलुआ', जेकरा सुरक्षित करबा लेल कोसी पर बांध बंधबाक खतरनाक काज कैल गेल छल। डॉ मिश्र जखन पहिल बेर मुख्यमंत्री बनलाह, त पटना दहा गेल, पचास साल स झंझारपुर दहा रहल छल, मुदा बलुआक बाढ़ि देख डॉ मिश्र एतेक विचलित भ गेला जे निःस्वार्थ भाव स समाज सेवा लेल सक्रिय राजनीति स सन्यास ल लेलाह। आशा करैत छी जे ओ अपन इच्छा पूरा करताह।

राजनीति त एहने हेबाक चाही

समदिया

पटना : बिहार मे बाढ़ पर राजनीति नहि हेबाक चाहि। इ बयान लगभग सब दलक नेता द रहल छथि। एकर बावजूद राजनीति भ रहल अछि। कारण इ अछि जे जनता चाहैत अछि जे इ राजनीति चलैत रहै। कारण साफ अछि। बिहार मे बाढ़ नव नहि थीक। लगभग सब साल बिहारक एकटा हिस्सा डूबैत रहल अछि। एहि साल एतबा जरूर अछि जे डूबल इलाका नव अछि आ जे इलाका डूबैत रहल अछि ओ एहि बेर बाढ़ स मुक्त रहल। इलाका नव अछि, त राजनीति सेहो नव प्रकारक अछि। बाढ़ राहत शिविर मे पिछला एक महीना स जमल यशोदा देवी कहैत छथि जे एहि बेर नेता आ पार्टी दूनू पीड़ित लोकक संख्या अपन शिविर मे बढेबा लेल अनेक प्रकारक प्रयास करि रहल अछि। ओ कहैत अछि जे पहिने ओ आनंद मोहनक शिविर मे छलथि, मुदा बाद मे आहि स नीक भोजन आ व्यवस्था क कारण राजदक शिविर मे आबि गेलथि। सरकारी राहत शिविर सेहो राजनीतिक दलक शिविरक स्तर के देखैत अपन गुणवक्ता ठीक करि रहल अछि। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अपने एहन शिविर मे खान-पानक निगरानी करि चुकलाह अछि। बाढ़ प्रभावित इलाका मे आइ-काल्हि नव तरहक राजनीतिक शुभारंभ भेल अछि। बिहारक राजनीतिक दल आ नेता बाढ़ पीड़ित लोकनि लेल बेसी स बेसी राहत देबाक होड़ मे एक दोसर स गला काट प्रतिस्पर्धा केने छथि। सहरसा मे लागल राजदक लालू राहत शिविरक गेट पर इ आवाज आम भ चुकल अछि जे आन ठाम स नीक भेजन भेटत आ पत्तो नहि उठेबा झंझट। बस चल आउ राजदक लालू राहत शिविर मे। एहिना अन्य पार्टीक कार्यकर्ता सेहो बेसी स बेसी लोक के राहत शिविर मे अनबा लेल अनेक प्रलोभन देबाक प्रयास मे जुटल अछि।

लोजपाक राहत शिविर मे रहनिहार अब्दुल रहमानक कहैत छथि जे इ राजनीति बिहार लेल शुभ संकेत अछि। सब नेता आ सब पार्टी आइ बिहार लेल टका आ राहतक सामान अनबा मे एक-दोसर के पाछु छोड़बाक प्रयास करि रहल अछि। देखक अगर इ राजनीति किछु दिन और चलल त बिहारक पुनर्निमाण मे समय नहि लागत। ऊपरवाला स बस एतबा आग्रह अछि जे इ राजनीति होइत रहै, चलैत रहै...

प्रलय क शिकार लोकक संबंध मे सोचला स रोंगटा ठाड़ भ जाइत अछि।

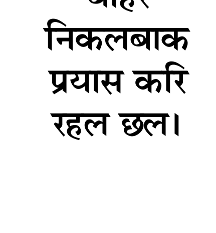

लोक बहबा स बचबा लेल एक-दोसर स जुड़ल छल। बाहर निकलबाक प्रयास करि रहल छल।

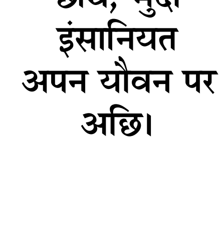

देखि लगैत अछि जे एहि इलाका मे यम वास करैत छथि, मुदा इंसानियत अपन यौवन पर अछि।

...मुदा हौसला बुलंद छैक

हम सब 114 इंजीनियर रजिमेंटक संग रही। भोरे सात बजे सिंहेश्वर स हमरा लोकनि नाव स विदा भेलहुं। एहि नाव स सेना राहतक सामान दोसर गाम ल जा रहल छल। किछु राहत सामान बीच मे पुलिया पर बांटि देलहुं। एतबा मे नाव पलटल आ राहतक सामान पाइन मे बहि गेल। किछु बच्चा ओकरा छानबा लेल पाइन मे कूदल, मुदा अधिकतर सफल नहि भ सकल। हमर नेतृत्वकर्ता कैप्टन सौरभ राय बैस कैंप स गप केलाक बाद दू टा आओर नाव मंगेलथि। जाहि स हम सब आगू विदा भेलहुं। एहि यात्रा मे पहिल मे बुझबा मे आइल जे लाइफ की होइत छैक आओर लाइफ जैकेट की होइत छैक। भारतीय सेना आखिर दुनियाक सर्वश्रेष्ट सेना मे किया गिनल जाइत अछि आओर कोसी एकटा नदी मात्र नहि थीक। बिना एहि इलाकक भ्रमण केने इ बुझब कठिन अछि जे बिहारी, बिहारी किएक अछि आओर बाबा सिंहेश्वर नाथ बाबा सिंहेश्वर नाथ किएक छथि। लेकिन सबस बैसी जे भ्रम्र दूर करबा मे सहायक भेल ओ छल एहि इलाकाक लोकक उम्मीद। फेर स जीवन शुरू करबाक इच्छा, जे महाराष्ट्र आओर आंध्र क किसान सन आत्महत्या स प्रेरित नहि छल। हिम्मत आओर विश्वास देखि बस एतबा मुंह स निकलि सकल... प्रणाम कोसी माइ, प्रणाम कोसी पुत्र मिथिलाक लोकवेद।

हम कोसीक नव धर मे बही रहल छी।सेनाक बोट पर सवार हम बाढ़ग्रस्त इलाकाक हाल देखबा लेल जा रहल छी। यात्रा रोमांचकारी छल। बोट पर चढ़ला स पूर्व सेनाक जवान पूछने छल, पत्रकार बाबू हेलब जनैत छी। चट द कहलहु, किएक नहि, एहि धरतीक संतान छी। मुदा पता नहि छल अगिला पल एहन होइत। बोट किछु दूर गेला पर तीन बेर पलटल। हम बहैत जा रहल छी, एकरा हेलनाई नहि कहि सकैत छी। करीब सवा किमी तक पाइन मे बहैत रहलहुं। करीब आधा घंटाक बाद सांस फुलय लागल। कान मे मात्र चीखक आवाज अबैत छल। खास क मौउगी आ बच्चाक। चीत्कारक बीच स एकदम स जयकारक आवाज कान मे आइल। जयकार भ रहल छल कोसी माइ लेल। कोसीक शांत हेबा लेल प्रार्थना छल, किछु युवक हमला लोकनि क रक्षा लेल पाइन मे कूदि चुकल छलाह।

जेना-तेना हमरा पुनः बोट तक आनल गेल। एतबा काल मे किछु पाइन हमर पेट मे जल गेल छल, मुदा बेसी नहि । हालात ठीक छल, मुदा पहिल बेर बुझबा मे आइल जे जिनगी कतेक दुलारु अछि। जीवन मे जीवैत रहि एहि स बेसी इच्छा किछु नहि होइत अछि। हम मौतक मुंह मे जा के लौटल रही। एकरो एहसास भेल जे जल प्रलय मे लोक जीवा लेल केना कानल होइत। केना अपन आखिक सामने अपन लोक वेद के बहैत देखने होइत। हमरा लग त कहबा लेल लाइफ जैकेट छल आ लग पास मे सेनाक जवान आ गामक युवक लोकनिक मौजूदगीक सुरक्षात्मक एहसास बल दैत रहल। एहि कारण हत बचि गेलहुं। मुदा प्रलय क शिकार लोकक संबंध मे सोचला स रोंगटा ठाड़ भ जाइत अछि। हमर बोट मधेली बाजार आ रायभीड़ सीमा पर पलटल छल। एहि स्थान स नदीक कछैर लगभग दू किमी दूर छल।

हालांकि कोसी हमरा माफ करि देलथि, मुदा अनेक जान एहि कोसीक धार मे बहि गेल। कोसी ओकरा लेल कोनो रहम नहि देखौलथि। बाढ़क समाचार संकलन एहि इलाकाक पत्रकार लेल नव अनुभव नहि थीक आ हमहू अनेक बेर एकर रिपोर्ट केने छी, मुदा एहि बेर जे दृश्य देखबा मे आइल आ जे अनुभव भेल ओ लिखब अथवा कहब मुश्किल अछि। मौतक मुंह मे गेलाक बाद आदमी कतेक किछु सोचि लैत अछि, से एहि बेर बुझबा मे आइल।

बहरहाल, हम बोट पर पहुंच चुकल छलहु आ बोट विदा भ गेल छल। सेनाक जवानक निर्देश पर हम सब हाथ स पतवार क काज लेब शुरू करि देने छलहुं। दोसर आत गामक लोक एकटा टूटल पुलियाक अंतिम छोड़ स बांस-बल्ली बहैत लोक सब दिस बढ़बैत छल। दू-तीन गोटे पुलियाक भीतर घुसबा स बचि गेलाह। लोक बहबा स बचबा लेल एक-दोसर स जुड़ल छल। लोक चेन बना लोक वेद के पाइन स बाहर निकालबाक प्रयास करि रहल छल। एक गोटे पाइन मे गेल छल आ ओ बहैत लोक सब के कछैर तक अनैत छल। एहि दौरान एकटा आओर बोट पहुंचल। नव उम्मीद जगल जे किछु और लो बचि सकत। किदु बचाउल गेल, मुदा एतबा मे धड़ाम सन आवाज भेल आ हमर बोट एकबेर फेर पलटि गेल। आधा घंटाक जद्दोजहद क बाद सेनाक किछु आओर नाव हमरा तक पहुंचल आ हमर जान बचल।

एहि इलाका मे यम वास करैत छथि, मुदा इंसानियत अपन यौवन पर अछि। बाढ़ग्रस्त इलाकाक बच्चा-बच्चा राहतक काज मे जुटल अछि। हम कोनो काजक नहि छलहुं। पूरा शरीर भीजल छल आ पूरा देह टूटैत छल। हम जिनकर मदद लेल आइल रहि ओ हमर मदद लेल तत्पर छथि। एहि ठामक लोकक हौसला देखि कैप्टन सौरभ राय अचंभित छथि। ओ कहैत छथि जे एहि ठामक लोकक हिम्मत आ उम्मीद देखि लगैत अछि जे एहि ठामक लोक 'हार' अपन शब्दकोश मे नहि रखने अछि। हताशा एहि इलाका मे कतहु नहि भेटल। कोसी हताशा बहा ल गेल, मुदा उम्मीद आ हिम्मत एहि ठाम जमल अछि, जेकरा स एहि इलाकाक पुनर्निर्माण भ सकत।

खैर हम सब धरती पर पहुंच गेल छलहुं। विद्यानंद यादव हमरा सब के अपन घर ल गेलाह। गाम एक तरह स मरघट बनि चुकल छल। एकोटा घर सही-सलामत नहि छल। सब किछु बहि गेल छल। अनाज, कपड़ा, कागज आ ओ इतिहास जे बाप-दादा सुनबैत छलाह। गाम पिछला कई दिन स दुनिया स कटल छल। बिजलीक अभाव मे सबहक मोबाइल बंद छैक। गामक एकटा युवक फिरोज आलम मोबाइलक जानकार अछि। अपन छोट सन किट स ओ हमरा सबहक मोबाइल चालू करबा लेल तैयार भ गेल, शर्त एकहि टा टका नहि, दू मिनट अब्बा स गप करबा लेल मोबाइल द देब। हम सब सहर्ष तैयार भ गेलहुं। एकर बाद ओ लगभग छह टा मोबाइलक प्राथमिक उपचार केलक।

ट्रेनक सिटी आ लोकक चीत्कार मे नुका गेल सरकारक सबटा दावा

प्रीतिलता मल्लिक

कोसीक प्रलय स पीड़ित इलाकाक एकटा छोट सन रेलवे टिशन- नरपतगंज। नरपतगंज टिशनक टिकट बिक्रीक आंकड़ा बता रहल अछि जे एहि ठाम स पलायन करनिहार मजदूरक संख्या सबस बेसी अछि। मुदा आइ जे पलायन भ रहल अछि, ओकर दर्द किछु आओर अछि। आई एहि टिशन पर बाढ़ पीड़ित परिवार लेल एकटा ट्रेन लागल अछि। कोसीक विनाश लीला स हजारों परिवार आइ बेघर भ चुकल अछि। ओहि परिवार लग किछु नहि बांचल अछि। कोसीक एहि प्रलय स कुसहा स कुरसेला तक आओर सुपौल स पूर्णिया तक पलायनक एकटा नव सिलसिला शुरू भ गेल अछि। गाम स शहर आओर शहर स महानगर जेबा लेल लोक आपाधापी मचौने अछि। पहिने स पलायनक लेल मजबूर एहि इलाकाक लेल इ दोहरा दंड जंका अछि। लालू प्रसाद बाढ़ पीड़ित सब लेल सहरसा, कटिहार आओर मधेपुरा स पटना लेल विशेष ट्रेन चला रहल छथि। एहि ट्रेन मे टिकट नहि लगैत अछि। जखन कि पटना स दिल्ली लेल सेहो विशेष ट्रेनक इंतजाम केल गेल अछि, ओहि मे टिकट लगैत अछि।

टिशन पर सैकड़ों लोक जमा अछि। सबहक मुंह पर बस एकटा चर्चा करोड़ क करोड़ टका भ कि रहल अछि। जिला मुख्यालय स आगू टकाक कोनो निशान नहि भेटि रहल अछि। ताहि बीच रमन बाबू बजलाह,' सरकार स उम्मीद किया करैत छी। कहियो सरकार हमरा सब लेल किछु केलक अछि। सरकार गाम-घर लेल नहि होइत अछि। सरकार त पटना दिल्ली मे होइत अछि। गाम-घर मे त पंडित कका आ मालिक कका सन लोक होइत अछि, जे सत्तर सालक बैस मे नदी क धार स पांच गोटे क जान बचा लेलथि। गामक तेजन बाबू स पैघ दानी अपना सब लेल कियो नहि जे अपन घर स पचास किलो चाउर आ दस किलो दाइल खर्च क चुकल छथि।

' सरकार गाम-घर लेल नहि होइत अछि। सरकार त पटना-दिल्ली मे होइत अछि। '

फूलो देवी परेशान अछि। घर मे अनाज, दरबजा पर जानवर आओर 10 बीघा खेत मे लागल फसल छोड़ि ओ दुधमुंहा बच्चा लेने टिशन पर पहुंचल अछि। ओकरा लग आइ कोनो ठिकाना नहि छैक। रामवचन पंजाब मे कमाई लेल गेल अछि। बड़का बेटा सेहो बाप संग पंजाब मे छैक। गामक परोड़ी सुधीर लग मोबाइल पर फोन आइल छल जे रामवचन गाम आबि रहल अछि। फूलो टिशन पर ओकर बाट ताकि रहल अछि। दुधमुहां बच्चा संग ओ शहर नहि जा सकैत अछि। एहि ठाम ओकरा लेल कोनो भोजनक व्यवस्था नहि अछि। ओकर बच्चा लगातार काइन रहल अछि। फूलोक दूध सूखा चुकल छैक। टिशनक पाइन दूध जेकां पिया फूलो बच्चा के चुप करेबाक प्रयास मे लागल अछि। फूलोक आंखि स कोसी बहय लगैत अछि। एतबा मे ट्रेनक सिटी बजैत अछि। कनैत- चीत्कार मारैत लोक स भरल ट्रेनक डिब्बा एकर गवाह अछि जे ई पूरा इलाका मरघट बनि चुकल अछि। ओना ट्रेक सिटीक शोर आ लोक चीत्कार मे सरकारक सबटा दावा नुका गेल। लोक एक -दोसर के ठेल-धकेल जेना-तेना ट्रेन पर सवार भ जाइत अछि। ट्रेन मे जगह नहि भेटला स उदास मुसन यादव कहैत छथि, ' साहब, हेलैत, नाव स आओर बाद मे पैदल जेना-तेना एहि ठाम तक पहुंचलहु अछि। भूख स पेट दबल जा रहल अछि। एहि ठाम भोजनक कोनो प्रबंध नहि छैक। सुनबा मे आइल अछि जे जिला मुख्यालय आ पटना मे पैघ-पैघ राहत शिविर लागल अछि। एहि ठाम भूख स मरब, ताहि स नीक जे पटना या दिल्ली चलि जाइ। ओहि ठाम कोनो न कोनो व्यवस्था भ जाइत।

एतबा मे स्टेशन मास्टरक कहैत छथि जे इ ट्रेनक गेलाक बाद पंजाब स ट्रेन आउत। फूलो पटरी दिस विदा भ जाइत छथि। गाड़ी धीरे-धीरे नरपतगंज स विदा भ गेल, एकटा निश्चत मंजिल लेल, मुदा बिना कोनो ठौर-ठिकाना तय केने पूरा समाज सब किछु छोड़ि निकलि चुकल अछि अपन जान बचेबा लेल अंजान सफर पर।

शेष अगिला अंक मे